आज़ादी का अमृत महोत्सव

खम्मा घणी...!!

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर
फरवरी-2023

॥ त्वं ज्ञानमयो विज्ञानमयोऽसि ॥

निदेशक का सन्देश

प्रिय मित्रों,

मुझे इस बात की अत्यधिक खुशी है कि भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर अपनी मासिक पत्रिका "खम्मा घणी" के फरवरी-2023 अंक का प्रकाशन कर रहा है जिसमें संघ की राजभाषा हिन्दी को अभिव्यक्ति का माध्यम बनाकर संस्थान के विभिन्न कार्यक्रमों का विवरण दिया गया है।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर नवीनतम तकनीकी ज्ञान को आम-जन की विभिन्न समस्याओं के समाधान हेतु हिंदी भाषा अथवा क्षेत्रीय भाषाओं में पहुंचाने हेतु लगातार प्रयासरत है। नई तकनीक और प्रौद्योगिकी के सहयोग से राजभाषा हिंदी की क्षमता और सामर्थ्य का अत्यधिक विस्तार हुआ है।

संघ की राजभाषा हिन्दी सांस्कृतिक विभिन्नता में एकता का प्रतीक है। यह विभिन्न भाषा-भाषियों और संस्कृतियों के बीच एक सेतु का कार्य करती है। राजभाषा हिन्दी सांस्कृतिक और सामाजिक परम्परा की धनी है और विचारों एवं भावों की अभिव्यक्ति में पूर्ण सक्षम भी है।

क्योंकि हमारा संस्थान 'क' क्षेत्र में स्थित है, इसलिए हिंदी के प्रति हमारा संवैधानिक दायित्व तथा नैतिक कर्तव्य और भी अधिक बढ़ जाता है कि हम संस्थान के साथ-साथ निजी जीवन में भी हिन्दी का अधिक से अधिक उपयोग करें और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की समस्त जटिलताओं को हिन्दी भाषा में पिरोकर उन्हें सभी के लिए सहज और सरल बनाएं ताकि प्रौद्योगिकीय संस्थान में होने वाले अनुसंधान एवं नवोन्मेषों के बारे में जनमानस को पता चल सके।

मुझे उम्मीद ही नहीं अपितु पूर्ण विश्वास भी है कि यह मासिक पत्रिका वैज्ञानिक एवं प्रौद्योगिकीय दृष्टि से उपयोगी होने के साथ-साथ संस्थान की नवीन उपलब्धियों को हिंदी माध्यम से जन-जन तक पहुंचाकर एक नया आयाम स्थापित करने में सक्षम होगी।

इस मासिक समाचार पत्रिका के प्रकाशन से संस्थान में राजभाषा कार्यान्वयन की दिशा में अनुकूल वातावरण बन रहा है। मेरी यह शुभकामना है कि "खम्मा घणी" पत्रिका अपने उद्देश्य में सफल हो और लोकप्रियता के चरम तक पहुँचे, राजभाषा कार्यान्वयन समिति के सभी सदस्यों को इसके लिए शुभकामनाएं और बधाई देता हूं।

प्रो. शांतनु चौधुरी

टेड एक्स - आईआईटी जोधपुर के साथ नये आयाम

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर में 19 जनवरी 2023 को आयोजित टेड एक्स आईआईटी जोधपुर कार्यक्रम एक बड़ी सफलता थी। इस कार्यक्रम में उपस्थित प्रभावशाली वक्ताओं और श्रोताओं को एक साथ लाया गया जिन्होंने टेड के विचारों के आदर्श वाक्य 'सीख, प्रेरणा और नेटवर्किंग' के प्रसार में योगदान दिया। इस कार्यक्रम की थीम "द न्यू डायमेंशन" थी जिसमें वर्तमान ज्ञात वास्तविकता से परे भविष्य के अन्वेषण और नए विचारों, दृष्टिकोणों तथा संभावनाओं के उद्भव का अध्ययन करना है। इसमें विभिन्न क्षेत्रों के गणमान्य व्यक्तियों ने रचनात्मकता परिवर्तनों, नवाचार एवं विकास की ऊंचाइयों तक पहुंचने के लिए आरामदायक स्थिति से बाहर निकलते हुए सफलताओं का दामन थामने की राह के अपने अनुभवों को साझा किया।

इस कार्यक्रम की शुरुआत की पहली वार्ता भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी श्री अभिषेक सुराणा, सीईओ जिला परिषद, जोधपुर द्वारा दी गई जिन्होंने सुशासन पर अंतर्दृष्टि साझा की और सामाजिक परिवर्तन के लिए एक प्रशासनिक अधिकारी की दिन-प्रतिदिन की चुनौतियों तथा जिम्मेदारियों की वास्तविकता पर दर्शकों से अपने दृष्टिकोण पर चर्चा की। इसके बाद श्री अमन गोयल, एक अग्रणी टेक उद्यमी, सीईओ और कोग्नोएआई के सह-संस्थापक ने अपने विचार साझा किए जिन्होंने उद्यमशीलता की शुरुआत से संबंधित एक आकर्षक बात प्रस्तुत करते हुए बताया कि एक स्टार्टअप विकास के लिए प्रतिकूल परिस्थितियों में भी कैसे दृढ़ रहना है।

वक्ताओं की इस श्रृंखला में किरण वर्मा, कम्युनिटी लीडर और चेंज मेकर, सिंपलीब्लड के संस्थापक भी शामिल थे जिन्होंने रक्तदान के लिए जागरूकता और पूरे देश में ब्लड बैंकों की सख्त आवश्यकता पर अपनी बात रखी। अगले वक्ता श्री अक्षत गुप्ता, रचनात्मक लेखक, गीतकार, कवि और पटकथा लेखक थे। जिन्होंने मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करने वाली व्यक्तिगत जीवन की चुनौतियों का सामना करने के बारे में अंतर्दृष्टि साझा की। इसके बाद सुश्री लिसीप्रिया कंगुजम, भारत की सबसे कम उम्र की जलवायु कार्यकर्ता और द चाइल्ड मूवमेंट की संस्थापक ने सराहनीय भाषण से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

दूसरे भाग में दर्शकों को श्रीमती रूमा देवी, एक सामाजिक कार्यकर्ता और प्रेरक वार्ता से प्रेरित होने का अवसर प्राप्त हुआ। श्रीमती रूमा देवी भारत में महिलाओं के लिए सर्वोच्च नागरिक सम्मान, "नारी शक्ति पुरस्कार" से सम्मानित है श्रीमती रूमा देवी महिलाओं के अधिकारों का समर्थन करते हुए उन्हें स्वयं सहायता समूह की मदद से दस्तकारी, कढ़ाई उत्पाद बनाने में सहायता करती हैं। वह एक ऐसी महिला हैं जिन्होंने दस्तकारी, कढ़ाई की शक्ति का उपयोग किया और हजारों महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने का मार्गदर्शन किया है। इस कार्यक्रम में एम्स जोधपुर के बाल रोग विभाग के प्रमुख और डीन अकादमिक, डॉ कुलदीप सिंह द्वारा सार्वजनिक स्वास्थ्य में नवीनतम नवाचारों और भविष्य को बढ़ावा देने वाली एक अंतर्दृष्टि पर वार्ता से स्वास्थ्य के क्षेत्र में विभिन्न नए अवसरों का जानने जानने का मौका मिला।

इस आयोजन की अंतिम चर्चा भारतीय अंतर्राष्ट्रीय कबड्डी खिलाड़ी श्री राहुल चौधरी ने की जिन्होंने खेल में अपने संघर्ष और इस स्तर तक पहुँचने में आने वाली कठिनाइयों के बारे में अपने विचार साझा किए।

साभार – डॉ. अनुज पाल कपूर

प्रोमेटियो – 2023

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर में इस वर्ष के वार्षिक तकनीकी और उद्यमिता उत्सव- **प्रोमेटियो 2023** का आयोजन 20 से 22 जनवरी 2023 को किया गया। प्रोमेटियो एक उल्लेखनीय तकनीकी और उद्यमशीलता का उत्सव है जो देश भर के छात्रों को तकनीकी ज्ञान और उत्साह बढ़ाने का एक अनोखा मंच प्रदान करता है। यह उत्तर-पश्चिमी भारत में तकनीकी और उद्यमशीलता का सबसे बड़ा उत्सव है, इसके पिछले ऑनलाइन संस्करण में पूरे देश से लगभग 5,000 प्रतिभागी पंजीकृत हुए।

प्रोमेटियो 2023 का मुख्य विषय (थीम) 'ओरिजिन टू इनफिनिटी' था, जिसका मुख्य भाव यह है कि *"प्रौद्योगिकी शुरू से ही मानव जाति के विकास का मुख्य आधार रही है और अनंत तक इसका प्रमुख आधार बने रहने का अनुमान है"*। 'ओरिजिन टू इनफिनिटी' उसी विचार के आसपास केंद्रित है, जहां हम यह पता लगाते हैं कि अतीत में कौन सी तकनीक रही है, यह अब क्या है और भविष्य में यह क्या हो सकती है। इस वर्ष प्रोमेटियो 2023 के दौरान विकसित विचारों की एक विस्तृत श्रृंखला के माध्यम से तकनीकी और उद्यमशीलता के विकास के अतीत और भविष्य का पता लगाने के प्रयत्न किये गए।

प्रोमेटियो 2023 ने प्रौद्योगिकी और उद्यमिता दोनों के क्षेत्र में कई नए कार्यक्रमों की शुरुआत की, जिनसे तकनीकी और उद्यमशीलता की दिशा में की एक कदम और आगे बढ़ा जा सकता है। **ड्रोन रेसिंग** और **रोबोवार्स** इस साल पहली बार आयोजित किए गए थे और इनमें विभिन्न टीमों से सफल और उत्साह के साथ अपनी भागीदारी प्रदान की। इन कार्यक्रमों में प्रतिभागियों ने अपनी ऊर्जा और समय का निवेश करके नए कौशल सीखने में अत्यंत रुचि दिखाई। प्रोमेटियो 2023 में **मूनशॉट कार्यक्रम** भी आकर्षण का प्रमुख केंद्र रहा। यह कार्यक्रम एक मूनशॉट विचार (नवाचार) को जन्म देने की दृष्टि से आयोजित ऐसा कार्यक्रम था जो भविष्य में प्रौद्योगिकी के चेहरे को बदलने की संभावना रखता है। **बी-प्लान** भी इस वर्ष पहली बार एक उद्यमशीलता कार्यक्रम के रूप में आयोजित किया गया था और इसमें भाग लेने वाली टीमों में महत्वपूर्ण सोच के कौशल को विकसित करने में सक्षम रहा। प्रोमेटियो 2023 में भारतीय सेना द्वारा एक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया, जहाँ उन्होंने सेना के वाहनों, तोपों और बंदूकों सहित विभिन्न सेना के गियर और उपकरणों का प्रदर्शन किया।

प्रतिभागियों के बीच उत्साह बढ़ाने के लिए कई कार्यक्रम, प्रेरणादायक सत्र और प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं जिनमें उपस्थित छात्रों को प्रेरक शक्ति हासिल करने और अपने संबंधित लक्ष्यों की दिशा में काम करने के लिए प्रेरित किया और वर्तमान तकनीकी और उद्यमशीलता मॉडल के नवाचार, कार्यान्वयन और सुधार की दिशा में सामूहिक रूप से योगदान दिया।

प्रोमेटियो को राजस्थान की महत्वपूर्ण भागीदारी के साथ-साथ पूरे भारत से एक मजबूत सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली। प्रोमेटियो 2023 ने छात्रों को विभिन्न तकनीकी और उद्यमशीलता डोमेन की घटनाओं के माध्यम से, कौशल विकास की दृष्टि से, विभिन्न तकनीकी व्यक्तित्व और प्रेरक उद्यमियों से जुड़ने और नवीन विचारों के व्यापक आदान-प्रदान के लिए एक मंच प्रदान किया।

साभार – टीम प्रोमेटियो 2023

माननीय संसदीय राजभाषा समिति की पहली उप-समिति द्वारा निरीक्षण

माननीय संसदीय राजभाषा समिति की पहली उप-समिति द्वारा जोधपुर स्थित केन्द्रीय सरकार के कार्यालयों का 13 एवं 14 जनवरी को निरीक्षण/दौरा किया गया। इस निरीक्षण कार्यक्रम एवं माननीय सदस्यों के जोधपुर प्रवास हेतु ऑयल इंडिया लिमिटेड, राजस्थान क्षेत्र, जोधपुर को समन्वयक की जिम्मेदारी प्रदान की गई थी। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर का भी राजभाषा संबंधित विभिन्न कार्यों का निरीक्षण 14 जनवरी 2023 को किया गया।

उप-समिति के उपाध्यक्ष श्री भर्तृहरि महताब, संयोजक श्री रामचंद्र जांगड़ा, श्री धर्मेंद्र कश्यप, श्री श्याम सिंह यादव, श्री अरण्य कड़ाड़ी इत्यादि माननीय संसद सदस्यों के साथ-साथ मंत्रालय के विभिन्न अधिकारी उपस्थित रहे। उप-समिति के निरीक्षण की उक्त बैठक में संस्थान के निदेशक, उपनिदेशक, कुलसचिव, राजभाषा अधिकारी एवं सहायक राजभाषा अधिकारी ने भाग लेते हुए संस्थान में राजभाषा संबंधित विभिन्न गतिविधियों का प्रस्तुतिकरण दिया जिसमें शिक्षा मंत्रालय से संयुक्त निदेशक (राजभाषा) एवं कनिष्ठ अनुवादक ने भी उपस्थित होकर अपना सक्रिय सहयोग प्रदान किया।

उप-समिति के निरीक्षण के दौरान संबंधित कार्यालयों ने राजभाषा के क्षेत्र में किए जा रहे विभिन्न कार्यों को प्रदर्शित करने हेतु प्रदर्शनी लगाई गई जिसमें भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर ने भी अपनी प्रदर्शनी लगाई। माननीय उप-समिति सदस्यों एवं अन्य अधिकारियों द्वारा प्रदर्शनी का भ्रमण किया गया तथा संस्थान द्वारा किए जा रहे राजभाषा संबंधित विभिन्न कार्यों की सराहना की गई। उप-समिति के संयोजक माननीय रामचंद्र जांगड़ा जी द्वारा संस्थान की मासिक पत्रिका खम्मा घणी की पहल की सराहना की गई तथा इसे संस्थान की राजभाषा के क्षेत्र में एक उपलब्धि बताया।

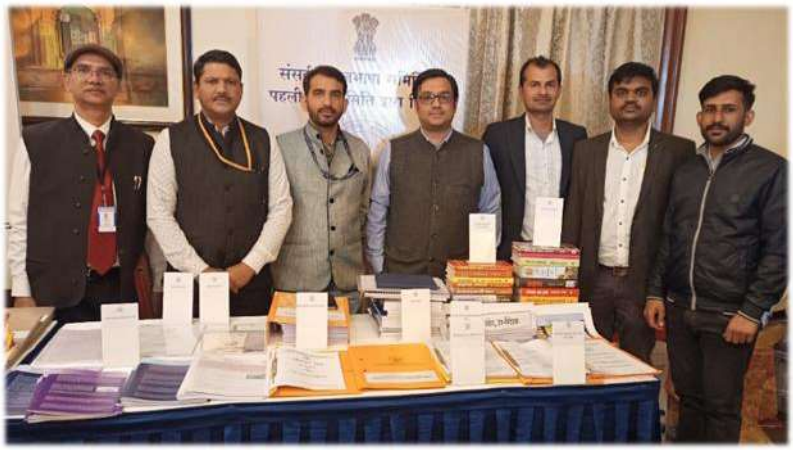

संस्थान के निदेशक द्वारा राजभाषा संबंधित विभिन्न गतिविधियों के प्रस्तुतिकरण के पश्चात उप-समिति के उपाध्यक्ष श्री भर्तृहरि महताब ने संस्थान द्वारा हिंदी कार्यशालाओं, अभियांत्रिकी विषयों के हिंदी में शिक्षण-प्रशिक्षण, सह-शैक्षणिक गतिविधियों जैसे नुक्कड़ नाटक, कविता पाठ, सम्मेलनों इत्यादि में हिंदी के प्रयोग की सराहना की तथा दैनिक पत्राचार में संस्थान के अधिक से अधिक हिंदी के प्रयोग हेतु किए जा रहे विभिन्न प्रयासों के लिए निदेशक महोदय को बधाई दी।

साभार- डॉ. नितिन भाटिया

नई नियुक्तियां

01.01.2023 से 31.01.2023 की अवधि के अंतर्गत संस्थान में कार्यभार ग्रहण करने वाले संकाय सदस्यों एवं स्टाफ सदस्यों की सूची

क्रं. सं.	नाम (डॉ, सुश्री, श्री, श्रीमती)	पदनाम	विभाग / कार्यालय	सेवारंभ तिथि
1.	सुरेश पी	सहायक प्रोफेसर ग्रेड I	धातुकर्म और सामग्री इंजीनियरिंग विभाग	05-01-2023
2.	दीपक सुथार	कनिष्ठ अभियंता (विद्युत)	अवसंरचना अभियांत्रिकी	19-01-2023
3.	इश्मीत सिंह	वरिष्ठ सहायक	यांत्रिक अभियांत्रिकी / धातुकर्म और सामग्री इंजीनियरिंग विभाग	23-01-2023
4.	शंकर सिंह	वरिष्ठ सहायक	संपदा कार्यालय	23-01-2023
5.	उम्मेद सिंह राठौड़	वरिष्ठ सहायक	क्रय एवं भंडारण कार्यालय	23-01-2023
6.	नेहा धारीवाल	वरिष्ठ सहायक	लेखा कार्यालय	23-01-2023
7.	पंकज सिंह सांखला	वरिष्ठ सहायक	स्थापना-I कार्यालय	23-01-2023
8.	आसिफ खान	कनिष्ठ तकनीकी सहायक	कंप्यूटर केंद्र	23-01-2023
9.	सुनील मनाना	कनिष्ठ तकनीकी सहायक	कंप्यूटर केंद्र	24-01-2023

कार्यालयी कामकाज में अंग्रेजी पाठ्यक्रम का ओरिएंटेशन कार्यक्रम

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर और जोधपुर सिटी नॉलेज एंड इनोवेशन फाउंडेशन द्वारा संयुक्त रूप से कार्यालयी कामकाज में अंग्रेजी के लिए एक अल्पावधि पाठ्यक्रम का शुभारंभ 30 जनवरी 2023 को किया गया। यह पांच सप्ताह का पाठ्यक्रम है , जिसमें संस्थान परिसर में सोमवार से शुक्रवार तक प्रतिदिन शाम को एक घंटे का सत्र होता हैं। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य सभी कार्यात्मक क्षेत्रों के प्रशासनिक कर्मचारियों, स्नातकों और पेशेवरों के अंग्रेजी कौशल का सुधार करना है।

ओरिएंटेशन कार्यक्रम की शुरूआत में सीईपी कार्यालय से सतत शिक्षा कार्यक्रम अधिकारी, सुश्री देबोश्री आचार्य गांगुली ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया और पाठ्यक्रम के उद्देश्यों के बारे में जानकारी दी। संस्थान के कुलसचिव डॉ. हरिओम यादव ने अपनी प्रारंभिक टिप्पणी में निदेशक महोदय का इस पाठ्यक्रम - "कार्यालयी कामकाज के लिए अंग्रेजी" की पहल हेतु धन्यवाद दिया। उन्होंने कार्यालय के कार्यों के लिए संचार और अंग्रेजी के उपयोग के महत्व के बारे में बात की। साथ ही, यह भी उल्लेख किया कि कार्यालयी कामकाज अधिकाधिक संघ की राजभाषा हिंदी में होना चाहिए।

संस्थान की स्कूल ऑफ लिबरल आर्ट्स के अंग्रजी भाषा प्रशिक्षकों सुश्री कीर्ति व्यास, सुश्री निवेदिता वर्मा और सुश्री तितिक्षा देवरानी ने पाठ्यक्रम सामग्री के बारे में विवरण प्रस्तुत किया। पाठ्यक्रम के लिए आईआईटी जोधपुर और जोधपुर के अन्य संगठनों के **100** से अधिक प्रतिभागियों ने पंजीकरण कराया।

जेसीकेआईएफ की कार्यक्रम प्रबंधक डॉ. प्रतिभा पेशवा स्वामी ने धन्यवाद ज्ञापन किया। उन्होंने संस्थान के निदेशक और जेसीकेआईएफ निदेशक मंडल के अध्यक्ष प्रो. शांतनु चौधुरी का इस पाठ्यक्रम की अवधारणा के लिए उनकी दूरदृष्टि और पाठ्यक्रम के निर्माण में उनकी सलाह और उनके निरंतर मार्गदर्शन के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम के संकाय प्रभारी डॉ. कौशल ए देसाई, स्कूल ऑफ लिबरल आर्ट्स की विभागाध्यक्षा डॉ. फरहत नाज, पाठ्यक्रम प्रशिक्षकों और प्रतिभागियों को भी धन्यवाद दिया।

साभार- सुश्री देबोश्री आचार्य गांगुली एवं प्रतिभा पेशवा स्वामी

एनएआईबीएस (NAiBS-2023)

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर ने "नेक्स्ट-जेन ए आई: इंस्पिरेशन फ्रॉम ब्रेन साइंस" **NAiBS-2023** अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन **26** से **28** जनवरी **2023** किया। इस सम्मेलन का उद्देश्य सभी संबद्ध क्षेत्रों के शोधकर्ताओं आर्टिफिशियल जनरल इंटेलिजेंस (**AGI**) सिस्टम को डिजाइन करने के लक्ष्य पर चर्चा के लिए शोधकर्ताओं को विचार-विमर्श में शामिल करना था। इस सम्मेलन का प्रयोजन प्रयोजन विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड (एसईआरबी) द्वारा किया गया।

यह सिस्टम डिजाइन करने की प्रेरणा मानव मस्तिष्क में मल्टीमॉडल प्रक्रियाओं के लिए व्यक्तिगत सेंसरिमोटर कम्प्युटेशन है। सम्मेलन में यह परिकल्पना भी की गई है कि मानव और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की उत्पत्ति, प्रकृति और भविष्य पर अंतःविषयी शोध कर रहे करियर के शुरुआती दौर के स्कॉलरों में एक सजग नेटवर्क बनाने की अभिरुचि बढ़े। इस सम्मेलन में कई अन्य शिक्षाविदों के साथ टॉमासो पोगियो, नैन्सी कनविशर, सुसान गोल्डिन-मीडो, सुब्बाराव कंभमपति जैसे कुछ प्रसिद्ध शिक्षाविदों ने वक्तव्य दिए।

इस सम्मेलन में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गुवाहाटी, इंपीरियल कॉलेज लंदन, फ्रेडरिक-शिलर-यूनिवर्सिटेट जेना, यूनिवर्सिटी ऑफ पेट्रोलियम स्टडीज देहरादून, एआईआईएमएस दिल्ली, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान हैदराबाद सहित विभिन्न संस्थानों के **100** से अधिक प्रतिभागी शामिल हुए। **3** दिन के इस सम्मेलन में कोर एआई/एजीआई से न्यूरोसाइंस तक शोध के व्यापक क्षेत्रों पर वार्ता, विचार-विमर्श और पोस्टर पेश किए गए।

एनएआईबीएस-**2023** सम्मेलन ऐसे विचारों का सम्मेलन था जो एथिकल एजीआई सिस्टम के डिजाइन पर अनुसंधान, नए प्रश्न और उत्तर को बढ़ावा देगा। इस अवसर पर मस्तिष्क के कार्यों के जिन मॉडलों पर विचार-विमर्श किए गए उनमें भाषा विकास, जेस्चर, संवाद, चिंतन, सीखना, याद रखना, निर्णय लेना, देख कर धारणा बनाना, वस्तु पहचाना, धारणा, ध्यान देना, उम्र बढ़ना, बहु-संवेदी प्रसंस्करण शामिल थे।

सम्मेलन के दौरान उल्लेखित कुछ अन्य निम्नलिखित थीम थे:

- ब्रेन इमेजिंग
- सैद्धांतिक और कम्प्यूटेशनल न्युरोसाइंस
- कंप्यूटर और मानव हैप्टिक्स
- सहायक प्रौद्योगिकियों के लिए संज्ञानात्मक कंप्यूटिंग
- प्रकृति से प्रेरित एल्गोरिदम
- मस्तिष्क का संज्ञान आर्किटेक्चर
- मनुष्य के प्रदर्शन का प्रतिरूप देने वाली इंटेलिजेंट मशीनें
- आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग, डीप लर्निंग, कंप्यूटर विजन, विश्वनीय एआई

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर के निदेशक प्रोफेसर शांतनु चौधुरी ने इस संदर्भ में अपनी वार्ता से नेक्स्ट जेनरेशन एआई सिस्टम डिजाइन के भविष्य का एजेंडा प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि नेक्स्ट जेनरेशन एआई के विकास के लिए पृष्ठभूमि को एआई (कृत्रिम बुध्दिमत्ता) के साथ जोड़ना आवश्यक है।

साभार – टीम एनएआईबीएस-2023

गणतंत्र दिवस समारोह 2023

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर ने 26 जनवरी 2023 को 74वां गणतंत्र दिवस मनाया और भारत के गणतंत्र और लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत करने के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया। 74वें गणतंत्र दिवस के समारोह में भाग लेने के लिए बड़ी संख्या में संकाय सदस्यों, कर्मचारियों एवं छात्रों ने भाग लिया।

केंद्रीय विद्यालय के बच्चों ने भारत को जीवंत रंगों, संस्कृतियों और परंपराओं को प्रदर्शित करने के लिए भाषण, गीत और नृत्य के माध्यम सेविभिन्न प्रस्तुतियां प्रस्तुत की।

राजभाषा कार्यान्वयन समिति
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर द्वारा प्रकाशित
सर्वाधिकार सुरक्षित © 2023

प्रबंध सम्पादक
डॉ. क्षेमा प्रकाश, उपपुस्तकालयाध्यक्षा

अनुवाद एवं प्रकाशन सहायता
श्री अशोक गहलोत

संपर्क
हिंदी कार्यालय, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर
राष्ट्रीय राजमार्ग 62, नागौर रोड, करवड,
जोधपुर 342030